सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 243 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 9 अक्टूबर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

सबसे बड़ा उपहार जो आप दूसरों को दे सकते हैं वो है बिना शर्त प्रेम और स्वीकृति का उपहार।

-ब्रायन ट्रेसी

हम हारे नहीं, हमें हरवाया गया... 7 | हरियाणा व जम्मू-कश्मीर विस चुनाव... 3 | सहयोगियों के साथ बैठक के बाद... 2

# पुलिस के सामने भाजपा विधायक योगेश वर्मा को जड़े गए थप्पड़

## अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अवधेश सिंह से हुई थी झड़प

» फिर उठे योगी सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल
» कोऑपरेटिव बैंक चुनाव के समय हुई घटना
» सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के लखीमपुर खीरी में बुधवार को अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अवधेश सिंह ने बीजेपी के विधायक योगेश वर्मा को जोरदार थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद विधायक के समर्थकों ने अवधेश सिंह के साथ मारपीट की। इस दौरान पुलिस बीच-बचाव की कोशिश करती रही। मौके पर जमकर हंगामा भी हुआ। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। उधर इस घटना के बाद से सियासी गलियारे में चर्चा आम हो गई कि जब सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक पुलिस के सामने पीटे जा रहे हैं तो आम आदमी का क्या हाल होगा इसको बताने की जरूरत नहीं है। इस मामले को लेकर योगी सरकार पर विपक्षी दलों ने जोरदार हमला भी बोला है।

### पहले दोनों के बीच हुई तीखी बहस

यहां विधायक जैसे ही बैंक की ओर बढ़े तो सामने से उनको अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अवधेश सिंह दिखाई पड़ गए। दोनों के आमने-सामने आते ही दोनों के बीच तीखी कहासुनी हो गई। इसी बीच मौका पाते ही अवधेश सिंह ने सदर विधायक योगेश वर्मा को एक तमाचा जड़ दिया। पुलिस वाले मौके पर ही थे और उनको भी इस बात की अंदाजा नहीं था कि यह कुछ ऐसा कुछ होने वाला है। पुलिस ने बीच बचाव काफी किया, लेकिन तब तक अवधेश सिंह के समर्थकों ने विधायक को और कई थप्पड़ मार दिए और उन्हें जमीन पर गिरा दिया। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ हो रहा है।

### मतदाता सूची फाड़ने पर सदर विधायक योगेश वर्मा ने जताई थी आपत्ति

बताया जाता है कि आवास विकास कालोनी स्थित अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की मुख्य शाखा में नामांक प्रक्रिया को लेकर कहने को तो पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे लेकिन यहां जो भी नामांकन के लिए पर्चा खरीदने आता था उसके नामांकन पत्र फाड़ दिए जाते थे। काफी देर तक जब ऐसा ही चलता रहा तो किसी ने इसकी सूचना सदर विधायक योगेश वर्मा को दी, विधायक ने भी बिना देर लगाए अपने समर्थकों के साथ आवास विकास कालोनी का रुख किया।

एएसपी खीरी ने बताया कि लखीमपुर खीरी में अर्बन कोऑपरेटिव के डेलिगेट्स का नामांकन चल रहा था। इस दौरान दो पक्षों के बीच कहासुनी के बाद विवाद हो गया। बुधवार को सुबह जैसे ही अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के नामांकन की प्रक्रिया शुरू हुई उसी वक्त से ही दो गुटों में तगड़ी मोर्चेबंदी शुरू हो गई। इसमें एक गुट जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष व अर्बन बैंक की पूर्व अध्यक्ष पुष्पा सिंह के पति अवधेश सिंह का तो दूसरा सदर विधायक योगेश वर्मा के समर्थकों का था।

### अर्बन बैंक के चुनाव में पूरी तरह धांधली हो रही : विधायक

इन सब के बीच सदर विधायक योगेश वर्मा ने बताया कि अर्बन बैंक कॉरपोरेटिव अर्बन बैंक के चुनाव में पूरी तरह धांधली हो रही है और इस पर कुछ तथाकथित लोग काबिज होना चाहते हैं, लेकिन सवाल यहां उन 12500 बैंक के सदस्यों का है जिनके अंश से यह बैंक संचालित हो रही है। उनको नामांकन के लिए क्यों रोका जा रहा है? क्यों प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है, केवल खड़े होकर तमाशा देख रहा है?

### मौके पर तैनात रही भारी फोर्स

सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक होने वाली अर्बन बैंक के नामांकन की प्रक्रिया लगातार जारी है और वहां कई थानों की फोर्स के अलावा एडीएम संजय सिंह, एएसपी नैपाल सिंह, सीओसिटी रमेश कुमार तिवारी, एसडीएम सदर अभिषेक कुमार, शहर कोतवाल अंबर सिंह समेत भारी फोर्स मौके पर तैनात रहा।

### एडीएम ने घटना से किया इंकार

इन सब सवालों पर एडीएम संजय सिंह का कहना है कि सब कुछ पारदर्शी व्यवस्था और प्रक्रिया के तहत हो रहा है। उन्होंने सदर विधायक पर हाथ छोड़े जाने की बात से भी फिलहाल इनकार कर दिया है और कहा कि अगर ऐसा कुछ हुआ है तो पूरे मामले की जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। जबकि वायरल वीडियो में यह स्पष्ट देखा जा सकता है की सदर विधायक को बुरी तरह पीटा गया।

# यूपी उपचुनाव: सपा ने की छह उम्मीदवारों की घोषणा

» करहल से तेज प्रताप यादव मैदान में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने यूपी में होने वाले उपचुनाव के लिए छह सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने करहल विधानसभा सीट पर तेज प्रताप यादव को उम्मीदवार बनाया है। इस सीट से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव विधायक चुने गए थे पर सांसद बनने के बाद सीट खाली हो गई थी।

इसी तरह सीसामऊ विधानसभा सीट से नसीम सोलंकी, फूलपुर से मुस्तफा सिद्दीकी, मिल्कीपुर से अजीत प्रसाद, कटेहरी से शोभावती वर्मा और मंझवा विधानसभा सीट से डॉ. ज्योति बिंद को प्रत्याशी बनाया गया है। इससे पहले उपचुनाव की तैयारियों के मद्देनजर सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में भाजपा कोर कमेटी की बैठक हुई थी।

### 10 विधानसभा सीटों पर होंगे उपचुनाव

यूपी की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होगा जिसके लिए सभी दलों ने तैयारियां कर ली हैं। सपा के चार और सीटें घोषित न करने को कांग्रेस के साथ गठबंधन की बात कही जा रही है। बता दें कि उपचुनाव में कांग्रेस ने सपा से पांच सीटों की मांग की थी लेकिन छह सीटों पर उम्मीदवार घोषित होने से यह साफ है कि सपा ने कांग्रेस का फॉर्मूला मानने से इनकार कर दिया है।

# संघर्ष जारी रखेंगे, जम्मू-कश्मीर में संविधान की हुई जीत : राहुल

» बोले- विस क्षेत्रों से आ रही शिकायतों से चुनाव आयोग को अवगत कराएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार पर राहुल गांधी ने बुधवार को चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने जीत के लिए जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी धन्यवाद दिया। राहुल गांधी ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों का तहे दिल से शुक्रिया - प्रदेश में इंडिया की जीत संविधान की जीत है, लोकतांत्रिक स्वाभिमान की जीत है।

उन्होंने कहा कि हम हरियाणा के अप्रत्याशित नतीजे का विश्लेषण कर रहे हैं। अनेक विधानसभा क्षेत्रों से आ रही शिकायतों से चुनाव आयोग को अवगत कराएंगे। सभी हरियाणा वासियों को उनके समर्थन और हमारे बब्बर शेर कार्यकर्ताओं को उनके अथक परिश्रम के लिए दिल से धन्यवाद। कांग्रेस नेता ने कहा कि हक़ का, सामाजिक और आर्थिक न्याय का, सच्चाई का यह संघर्ष जारी रखेंगे, आपकी आवाज बुलंद करते रहेंगे।

### जो जीते उनका साथ दो, भारत के लिए सोचो : रॉबर्ट वाड्रा

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा ने इस हार पर कांग्रेस को खास सलाह दी है। रॉबर्ट वाड्रा ने इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की है। इसमें वो एक गांव में कई लोगों के बीच बैठे नजर आ रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि ये हरियाणा के चुनाव प्रचार के दौरान की फोटो है। इस फोटो के नीचे लिखा है। स्वीकार करें कि लोग क्या चाहते हैं और राज्य को उन नेताओं के साथ विकसित करने में मदद करते हैं, जिसे जनता ने चुना है। बड़ा सोचें और भारत के लिए सोचें।

# सहयोगियों के साथ बैठक के बाद गठबंधन का नेता चुनेंगे : उमर

## » मोदी-महबूबा मुफ्ती का जताया आभार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। विधानसभा चुनाव के परिणाम में नेशनल कान्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन ने 48 सीटें जीती हैं। इसमें नेकां ने 42 सीटें जीती हैं। जीत के बाद नेकां उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा गठबंधन के सहयोगियों के साथ बैठक के बाद गठबंधन का नेता चुना जाएगा। इसके बाद इंडिया ब्लॉक एलजी के समक्ष जम्मू-कश्मीर में अपनी सरकार बनाने का दावा पेश करेगा। उन्होंने कहा कि नेकां विधायक दल की बैठक होने दीजिए उसके बाद सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

उमर ने कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद के लिए दावा नहीं कर रहा हूं। यह गठबंधन और निर्वाचित सदस्यों को तय करना है कि उन्हें लगता है। अगले पांच वर्षों में राज्य का नेतृत्व किसे करना चाहिए। हालांकि पार्टी प्रमुख डॉ. फारुख अब्दुल्ला ने कहा है कि प्रदेश में अगला मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला बनेंगे। इस पर उमर ने कहा वह उन पर जताए गए विश्वास के लिए आभारी हैं। लेकिन यह एनसी के विधायक दल का निर्णय है और यह निर्णय सहयोगियों द्वारा मिलकर लिया जाना है।

## पीएम ने नेशनल कान्फ्रेंस को बधाई दी

भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण चुनाव हुए। जम्मू-कश्मीर की जनता ने नेशनल कान्फ्रेंस गठबंधन को जनादेश दिया, मैं उन्हें भी बधाई देता हूं। इससे पहले पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में भी नेशनल कान्फ्रेंस को जीत पर बधाई दी थी। उमर अब्दुल्ला ने बधाई संदेश के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी केंद्र के साथ रचनात्मक संबंध की आशा रखती है ताकि जम्मू-कश्मीर के लोगों को निरंतर विकास और सुशासन से लाभ मिल सके।

## जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को जनादेश : स्टालिन

चेन्नई। वर्ष 2019 के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर में हुए विधानसभा चुनाव में नेशनल कान्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन को जीत मिली। इस पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बधाई दी। साथ ही कहा कि यह गठबंधन का जनादेश जम्मू-कश्मीर की गरिमा और राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए है, जिसे केंद्र सरकार ने गलत तरीके से छीन लिया। सीएम स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, नेशनल कान्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन को जम्मू-कश्मीर के लोगों को जीत के लिए बधाई। यह लोकतंत्र और देश के लिए सिर्फ जीत से अधिक है। यह जम्मू-कश्मीर की गरिमा और राज्य का दर्जा बहाल करने की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए एक जनादेश है, जिसे केंद्र की भाजपा सरकार ने अन्यायपूर्ण तरीके से छीन लिया था। उन्होंने आगे कहा कि यह पल एक न्यायपूर्ण और समावेशी भविष्य की शुरुआत का प्रतीक है जो हर कश्मीरी की उम्मीदों का सम्मान करता है।

### भाजपा की राजनीति के खिलाफ वोट पड़ा

उन्होंने कहा कि इस जनादेश ने साबित किया है कि लोगों ने जम्मू-कश्मीर में भाजपा की राजनीति के खिलाफ वोट दिया है। उन्होंने कहा कि कश्मीर-जम्मू के ऊपरी इलाकों में वोटों का कोई विभाजन नहीं हुआ। लोगों ने सोच-समझकर अपने वोट का इस्तेमाल किया। अब गठबंधन की जिम्मेदारी है कि वह एक साफ-सुथरी सरकार दे जो लोगों की उम्मीदों पर खरी उतरे। इससे पहले बडगाम में अब्दुल्ला ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में नए संगठन बनाकर उनकी पार्टी को खत्म करने के कई प्रयास किए गए, जो इस चुनाव में ध्वस्त हो गए। उन्होंने कहा कि मैं बडगाम के मतदाताओं का आभारी हूं कि उन्होंने मुझे वोट दिया। मुझे सफल बनाया और मुझे एक बार फिर जम्मू-कश्मीर के लोगों की सेवा करने का मौका दिया। उमर ने कहा कि इस फैसले से पार्टी की जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं। अब हमारा कर्तव्य है कि हम अपने काम के जरिए लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरें और अगले पांच सालों में हमारा यही प्रयास रहेगा। उन्होंने पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने एनसी को शानदार जीत के लिए बधाई दी।

# जातिवादी लोगों ने बसपा को नहीं दिया वोट : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

## » बोलीं बसपा प्रमुख- लेकिन मेहनत बेकार नहीं जाएगी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने हरियाणा चुनाव में मिली शिकस्त का ठीकरा जाट समाज के जातिवादी लोगों पर फोड़ा है। उन्होंने चुनाव नतीजे घोषित होने के बाद सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव बसपा व इंडियन नेशनल लोकदल ने गठबंधन करके लड़ा, लेकिन परिणाम से स्पष्ट है कि जाट समाज के जातिवादी लोगों ने बसपा को वोट नहीं दिया। जिससे बसपा के उम्मीदवार कुछ सीटों पर थोड़े वोटों के अंतर से हार गए।

हालांकि, बसपा का पूरा वोट ट्रांस्फर होने का उन्होंने दावा किया है। उन्होंने आगे कहा कि यूपी के जाट समाज के लोगों ने अपनी जातिवादी मानसिकता को काफी हद तक बदला है और वे बसपा से एमएलए तथा सरकार में मंत्री भी बने है। हरियाणा प्रदेश के जाट समाज के लोगों को सलाह दी कि यूपी के जाट समाज के पदचिन्हों पर चलकर उन्हें अपनी जातिवादी मानसिकता को बदलना चाहिए। बसपा के लोगों द्वारा पूरी दमदारी के साथ यह चुनाव लड़ने के लिए उन्होंने आभार जताया और उनकी मेहनत बेकार नहीं जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि बसपा के लोगों को निराश नहीं होना है और न ही हिम्मत हारनी है, बल्कि अपना रास्ता खुद बनाने के लिए तत्पर रहना है। संघर्ष से नया रास्ता जरूर निकलेगा।

# विनेश अगर मेरा नाम लेके जीती मतलब मैं महान हूं : बृजभूषण

## » विनेश पर पूर्व सांसद ने कसा तंज, कहा- जहां जाएंगी सत्यानाश करेंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। भाजपा नेता व पूर्व सांसद बृज भूषण शरण सिंह ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीत पर पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। इस दौरान उन्होंने महिला पहलवान विनेश फोगाट की जीत को लेकर कांग्रेस पर तंज कसा है। उन्होंने कहा, कि अगर वो मेरा नाम लेकर जीत गईं तो इसका मतलब हुआ कि मैं बड़ा महान आदमी हूं। उन्होंने कहा कि वो खुद तो जीत गईं पर कांग्रेस को तो डुबा दिया। वो जहां भी जाएंगी सत्यानाश करेंगी।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा की जीत से किसान आंदोलन और पहलवानों के आंदोलन के सहारे जो माहौल बनाया गया उसकी पोल खुल गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जाट बाहुल्य क्षेत्र में भी जीत हासिल की है। बृजभूषण ने कहा कि आंदोलन में जो पहलवान शामिल हुए थे वो हरियाणा के नायक नहीं बल्कि अपने जूनियर के लिए खलनायक थे। बता दें कि हरियाणा को लेकर आए एग्जिट पोल के सभी अनुमानों में कांग्रेस को जीतते हुए दिखाया गया था पर भाजपा की जीत से चुनाव विश्लेषक भी हैरान हैं। यह तीसरी बार होगा जब हरियाणा में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनेगी। 2019 के चुनाव में भाजपा को बहुमत नहीं मिल पाया था पर इस बार भाजपा ने अपने दम पर बहुमत प्राप्त कर लिया है।

### सीएम योगी ने भी दी बधाई

हरियाणा चुनाव में जीत पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बधाई दी। उन्होंने एक्स पर कहा कि हरियाणा विधान सभा चुनाव-2024 में भाजपा को मिली ऐतिहासिक विजय की सभी समर्पित कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं सम्मानित मतदाताओं को हार्दिक बधाई!

# शिक्षक हत्याकांड: दशहरे के पहले पीड़ित परिवार से मिल सकते हैं राहुल गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

### » परिवार से की फोन पर बात

लखनऊ। अमेठी के शिवरतनगंज में रायबरेली के सुदामापुर निवासी शिक्षक सुनील, पत्नी पूनम व दो बेटियों की हत्या का मामला सियासी गलियारों में तेजी से गूंज रहा है। प्रदेश में उप चुनाव होने जा रहे हैं, इसे देखते हुए प्रमुख विपक्षी दल इस घटना के सहारे सरकार को कानून व्यवस्था और दलितों पर अत्याचार के मुद्दे पर घेरने में लगे हैं। रायबरेली से सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जल्द ही इस परिवार से मिलने के लिए आ सकते हैं।

हत्याकांड के बाद सांसद राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर सरकार को घेरा था। वहीं, बीते शुक्रवार को जब चारों शव गांव आए थे तो प्रदेश की कानून व्यवस्था के साथ पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े किए गए थे। राहुल गांधी ने घटना के संबंध में अमेठी के सांसद केएल शर्मा से बात कर जानकारी जुटाई थी। यही नहीं, चार अक्तूबर को शिक्षक के पिता राम गोपाल से मोबाइल पर बात की और हर संभव मदद का आश्वासन देने के साथ गांव आने की बात भी कही थी। राहुल के नजदीकी दशहरे के पहले उनके सुदामापुर गांव आने की संभावना जता रहे हैं।

### चंद्रशेखर आजाद भी पहुंचेंगे

चंद्रशेखर आजाद भी पहुंच सकते हैं गांव हत्याकांड पर नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद ने भी रोष व्यक्त किया था और सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर दलितों पर अत्याचार की बात कह सरकार को घेरा था। भीम आर्मी अमेठी के जिलाध्यक्ष देवेंद्र भीमराज ने भी चार अक्तूबर को गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से जानकारी ली थी और इसकी रिपोर्ट सांसद को दी थी। ऐसे में चंद्रशेखर आजाद के भी गांव पहुंचने की संभावना है।

# घमंड और गलत फैसले ले डूबे पार्टी को : बेनीवाल

## » हरियाणा की हार के बाद कांग्रेस पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के सांसद हनुमान बेनीवाल ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की हार पर तीखी प्रतिक्रिया दी। राजस्थान के सांसद हनुमान बेनीवाल ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म ङ्क पर तीखी प्रतिक्रिया दी। बेनीवाल ने कांग्रेस की हार के पीछे पार्टी के नेताओं की घमंड भरी सोच और इंडिया गठबंधन के साथ चुनाव न लड़ने के फैसले को जिम्मेदार ठहराया है।

बेनीवाल ने अपनी पोस्ट में कहा कि जब लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के दलों ने मिलकर चुनाव लड़ा, तब एनडीए ने बड़ी मुश्किल से अपनी सरकार बनाई थी। इसके बावजूद, हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने गठबंधन के साथ चुनाव लड़ने में कोई रुचि नहीं दिखाई। बेनीवाल का मानना है कि इसका खामियाजा कांग्रेस को भुगतना पड़ा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा का किसान, जवान और दलित भाजपा की नीतियों और शासन से असंतुष्ट था, लेकिन कांग्रेस की एकजुटता की कमी के कारण ये वर्ग निराश हुए हैं। उन्होंने कांग्रेस आलाकमान से इस स्थिति पर गंभीरता से विचार करने की अपील की है।

# हरियाणा व जम्मू-कश्मीर विस चुनाव के परिणाम गढ़ेंगे आयाम

- आने वालों चुनावों पर दिखेगा असर
- कांग्रेस को बदलनी होगी रणनीति
- भाजपा के लिए आगे की राह हो सकती है मुश्किल
- क्षेत्रीय पार्टियों को और मेहनत की दरकार
- हरियाणा परिणम का प्रभाव पश्चिमी यूपी पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा व जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव का परिणाम आ गए हैं। हरियाणा में जहां भाजपा ने बाजी मारते हुए सरकार बनाने की हैट्रिक लगाई है तो जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस व नेशनल कांफ्रेंस ने बाजी मारी है। देश के दोनो प्रमुख दल कांग्रेस व भाजपा जहां जीत की खुशी मना रहें हैं तो वहीं एक दूसरे पर जमकर हमला भी बोल रहे हैं। इसबार दोनों राज्यों में क्षेत्रीय पार्टियों ने भी जमकर अपनी जोर आजमाइश की थी। इसमें यूपी की दलों ने खूब बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया था। सपा, बसपा, आजाद पार्टी ने भी अपने उम्मीदवार उतारे थे हालांकि उन्हें उतनी कामयाबी नहीं मिली जितनी की उन्हें उम्मीद थी। वहीं सियासी गलियारे में यह भी चर्चा हो रही है जहां भाजपा में मोदी व योगी का जलवा रहा वहीं कांग्रेस में जहां-जहां राहुल गांधी ने प्रचार किया वहां-वहां वोटिंग प्रतिशत में इजाफा हुआ ये अलग बात हैं कि वह सीटों में बदल नही पाई। कश्मीर में उमर के वादे लोगों को पंसद आ गए जबकि भाजपा को झटका लगा है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव का रिजल्ट उत्तर प्रदेश की राजनीति पर भी प्रभाव डालने वाला साबित हो सकता है। दरअसल, आने वाले समय में यूपी में 10 सीटों पर विधानसभा उपचुनाव होने हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सीमा हरियाणा के साथ जुड़ती है। अब इसको लेकर हरियाणा रिजल्ट पर चर्चा का बाजार गरमाया हुआ है। दरअसल, सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियां दोनों प्रदेश के लोगों के बीच होती हैं। इस कारण दोनों ही प्रदेश की बढ़ती राजनीतिक हलचल का असर परिणामों पर दिखता है। हरियाणा में जाट वोट बैंक की नाराजगी जिस प्रकार से भारतीय जनता पार्टी के प्रति दिखाई जा रही है, उसका असर पश्चिमी यूपी में पड़ने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, हरियाणा का रिजल्ट कांग्रेस, भाजपा ही नहीं समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल की रणनीति पर भी असर डाल सकती है। लोकसभा चुनाव में 9 विधायकों के सांसद बनने के बाद विधानसभा सीटें खाली हुई हैं। वहीं, कानपुर की सीसामऊ विधानसभा सीट से विधायक इरफान सोलंकी की विधायकी जाने के बाद यह सीट खाली हुई। इस प्रकार 10 सीटों पर उपचुनाव होना है। इसके लिए तमाम राजनीतिक दल अपनी तैयारियों में जुटे हैं। भाजपा से लेकर सपा तक की तैयारियों को पूरा कराया जा रहा है। यूपी की 10 सीटों पर उपचुनाव की सरगर्मी बढ़ी हुई है। भले ही चुनाव की तारीख इनमें चार सीट पश्चिमी यूपी की है। इनमें मीरापुर पर रालोद, गाजियाबाद सदर पर भाजपा, खैर पर भाजपा और कुंदरकी पर सपा का कब्जा था।

## ये हो सकता है यूपी में समीकरण

यूपी में जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होना है, उसमें से पांच सीटें समाजवादी पार्टी के कब्जे की हैं। वहीं, तीन सीटों पर भाजपा, एक सीट पर रालोद और एक सीट पर निषाद पार्टी का कब्जा था। हालांकि, उपचुनाव को लेकर भाजपा की तैयारियां काफी तेज हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ लगभग सभी सीटों का दौरा कर चुके हैं। वहीं, सहयोगी दल अपनी पार्टी की जगह एनडीए की जीत का समीकरण तैयार करने की है। चुनाव तारीखों के ऐलान के पहले से ही सीट बंटवारे का समीकरण बनता दिख रहा है। पश्चिम यूपी की मीरापुर सीट पर रालोद का कब्जा पहले से था। अब एक बार फिर पार्टी का सीट पर दावा है। रालोद का दावा संभल की कुंदरकी सीट पर भी है। अगर हरियाणा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन गड़बड़ होता है तो फिर पार्टी का दावा पुख्ता होगा। गाजियाबाद सदर तो भाजपा की परंपरागत सीट रही है। वहीं, खैर पर भी भाजपा किसी भी दावे को स्वीकार नहीं करेगी। लेकिन, कुंदरकी सीट में मुस्लिमों की ब?ी आबादी को देखते हुए पार्टी स्वार विधानसभा सीट की तरह सहयोगी दल पर भरोसा कर सकती है। जाटों को साधने के लिए भी रणनीति बन सकती है।

## अखिलेश यादव ने जम्मू कश्मीर में 20 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे

यूपी से बाहर पैर पसारने की कोशिश में जुटे अखिलेश यादव ने जम्मू कश्मीर की 20 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। इनमें से 5 सीटें जम्मू की और 15 सीटें कश्मीर की थीं। सपा को अब तक रुझानों में एक भी सीट नहीं मिलती दिख रही है। रुझानों में सपा को 0.13 प्रतिशत वोट मिलते दिख रहे हैं। ये नोटा से भी कम हैं. जम्मू कश्मीर में नोटा को 1.44 प्रतिशत वोट मिलते दिख रहे हैं। ऐसे में लोकसभा चुनाव में यूपी में शानदार प्रदर्शन करने वाली सपा के लिए ये बड़ा झटका माना जा रहा है। सपा ने जम्मू कश्मीर की 20 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। सपा ने बारामूला, बांदीपोरा, वगूरा क्रीरी, करनाह, पट्टन, कुपवाड़ा, गुलमर्ग, रफीबाद, त्रेहगाम, लोलाब, विजयपुर, उधमपुर वेस्ट, चेनानी, नागरोटा, हजरतबल, बड़गाम, बीडवाह, हब्बाकदल, ईदगाह सीट पर उम्मीदवार उतारे थे।

## हरियाणा में चला मोदी मैजिक व राहुल पिछड़े

रुझानों के बीच एक बेहद दिलचस्प आंकड़ा सामने आया है। बीजेपी के लिए प्रधानमंत्री मोदी एक बार फिर से ट्रंप कार्ड साबित हुए हैं। वहीं, राहुल गांधी कांग्रेस के लिए कोई खास करिश्मा नहीं कर पाए हैं। हरियाणा में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कुल 5 रैली की थी। इन रैलियों का असर हरियाणा में 17 विधानसभा सीटों पर था। इसमें से 10 सीटों पर बीजेपी ने बढ़त बनाई हुई है। उसके अलावा कांग्रेस 5 और अन्य 2 सीटों पर आगे हैं। वहीं, अगर राहुल गांधी की बात करें तो उन्होंने हरियाणा की जिन 14 सीटों पर रैली की थी, उनमें से 7 पर कांग्रेस पीछे चल रही है। कांग्रेस पार्टी सिर्फ 4 ही सीटों पर आगे हैं। वहीं, तीन सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार आगे हैं।

## कांग्रेस की हार की सबसे बड़ी वजह गुटबाजी

### विपक्ष के लिए भी है अहम परिणाम

कांग्रेस की हार की सबसे बड़ी वजह गुटबाजी मानी जा रही है। कुमारी शैलजा की नाराजगी खुल कर सामने आ गई। अशोक तंवर की वापसी भी कांग्रेस का डैमेज कंट्रोल नहीं कर पाई। कांग्रेस कई सीटों पर 10 साल की एंटी इंकंबेंसी के भरोसे दिखी। इसके अलावा जून 2024 में लोकसभा चुनाव में पांच सीटों पर जीतने वाली कांग्रेस अतिउत्साहित भी दिखी। लोकसभा चुनाव में संविधान और आरक्षण के मुद्दे को लेकर बीजेपी के खिलाफ बिगुल फूंकने वाली कांग्रेस ने हरियाणा में भी यही दांव खेला लेकिन यहां वह बीजेपी की रणनीति को तोड़ नहीं पाई। कांग्रेस के कई नेता अपनी ही सीटों तक सीमित रह गए. इसके अलावा चुनाव के दौरान दूसरे दलों से आए लोगों को ज्वाइन कराने का मामला भी कुछ सीटों पर कांग्रेस के लिए नुकसानदायक रहा। हरियाणा में कांग्रेस, बीजेपी के लाभार्थी वर्ग की काट नहीं निकाल पाई, इसके अलावा पहलवानों और किसानों का मुद्दा उसके लिए फायदेमंद साबित होता नहीं दिखा।

विपक्ष के लिए भी हरियाणा विधानसभा चुनाव अहम है। समाजवादी पार्टी को हरियाणा में कांग्रेस ने सीटें नहीं दी। इसके बाद पार्टी ने चुनाव से बाहर रहने का फैसला लिया। कांग्रेस पहले से यूपी में उपचुनाव को लेकर 5 सीटों की मांग कर रही है। सपा की तैयारी सभी 10 सीटों पर है। कांग्रेस को 2 सीटें दिए जाने की बात कही जा रही है। हरियाणा चुनाव में अगर कांग्रेस मनमाफिक प्रदर्शन नहीं रहा अखिलेश यादव हमलावर हो सकते हैं। कांग्रेस को उम्मीद के अनुसार सीट नहीं मिलने की भी बात है। वहीं, मायावती ने हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल के साथ समझौता किया है। दरअसल, बसपा प्रमुख मायावती ने एक बार फिर अपनी रणनीति को मांझना शुरू किया है। यूपी की राजनीति में दलित-मुस्लिम समीकरण को दोबारा जमीन पर उतारने की कोशिश है। साथ ही, उन्होंने अपने उत्तराधिकारी आकाश आनंद को हरियाणा में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी थी। अगर वह वहां सफल होते हैं तो यूपी की राजनीतिक जमीन पर 2027 से पहले उपचुनाव में उतार सकती हैं।

## हरियाणा में चला योगी का बंटोगे तो कटोगे वाला दांव

हरियाणा के असंध विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी योगेंद्र राणा के समर्थन में जन आशीर्वाद रैली को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि कांग्रेस हमेशा बांटने का काम करती है। इसलिए इससे सावधान रहना है क्योंकि बटोगे तो कटोगे। हमें ना बटना है और ना ही कटना है। उनका यह बयान यूपी से लेकर हरियाणा तक बेहद पॉपुलर हुआ। माना जा रहा है कि हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा सीट में इतनी सीटें बीजेपी जीतने में कारगर साबित हुई। योगी आदित्यनाथ के इस बयान से क्या हरियाणा में भी ध्रुवीकरण हुआ। क्या यह हिंदुओं के लिए एक संकेत था। योगी ने 2014 से पहले हरियाणा में कांग्रेस सरकार की याद दिलाते हुए कहा था कि कांग्रेस शासन में भ्रष्टाचार चरम पर था, गुंडागर्दी भी चरम पपर थी माताएं बहनें सुरक्षित नहीं थी। हरियाणा में भाजपा सरकार ने माहौल को बदला है। उन्होंने बसपा और आम आदमी पार्टी पर भी निशाना साधते हुए कहा-बसपा कांग्रेस और आम आदमी पार्टी एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं। इनसे सावधान रहें। ना तो हाथी का कभी पेट भरता है और ना ही कांग्रेस का हाथ कभी भला कर सकता है। हाथ सिर्फ बांटने के लिए आया है। यह संभव है कि योगी का यह बयान हिंदू बहुल हरियाणा के लिए एक तीर की तरह था, जिसने वहां पर वोटरों को बीजेपी को वोट देने के लिए प्रेरित किया।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# पशुओं व पेड़ों को भी चाहिए प्यार!

> “ विश्व की कुल जनसंख्या 08 अरब से भी अधिक हो चुकी है और प्रत्येक वर्ष इससे दो गुना से भी ज्यादा लगभग 18 अरब तक वृक्षों की कटाई हो रही है। बढ़ती जनसंख्या और घटती वन-संपदा ने जिन कुछ प्रमुख समस्याओं को जन्म दिया या बढ़ाया है, उनमें सर्वाधिक चिंतनीय और घातक समस्या वन्य पशुओं का लगातार बढ़ता हुआ आतंक है।

*गत दिनों यूपी समेत कई राज्यों में भेड़ियों का आतंक देखने को मिला। ये सिर्फ पालतू पशुओं को ही अपना शिकार नहीं बना रहे थे बल्कि मानवां पर भी हमला कर रहे थे। कुछ वर्षों में रिहाइश इलाकों में तेंदुएं, चीते व अन्य जंगली जानवरों के घुसने की खबरें आती रहती हैं। पर्यावरणविदों का कहना है कि देश भर में जंगलों की तेजी से कटाई के कारण वन्य पशुओं का आशियाना दिनोंदिन उजड़ता जा रहा है। इसी वजह से वह मानव आबादी में आने लगें हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जानवरों व पेड़ों को भी प्यार की आवश्यकता है। विश्व की कुल जनसंख्या 08 अरब से भी अधिक हो चुकी है और प्रत्येक वर्ष इससे दो गुना से भी ज्यादा लगभग 18 अरब तक वृक्षों की कटाई हो रही है। बढ़ती जनसंख्या और घटती वन-संपदा ने जिन कुछ प्रमुख समस्याओं को जन्म दिया या बढ़ाया है, उनमें सर्वाधिक चिंतनीय और घातक समस्या वन्य पशुओं का लगातार बढ़ता हुआ आतंक है।*

*उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिले बहराइच का प्रकरण सामने है, जहां मार्च 2024 में शुरू हुए भेड़ियों के खूनी हमलों के सर्वाधिक शिकार इलाके के छोटे-छोटे बच्चे हुए। इन हमलों में अब तक लगभग 10 बच्चों समेत कम-से-कम एक दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 40 से अधिक लोग घायल हुए हैं। दुर्भाग्य से घायलों में भी अधिकतर बच्चे ही हैं। वैसे देखा जाए तो भेड़िए ही नहीं, बल्कि हाथी, शेर, सियार, तेंदुआ, चीता, भेड़िया, भालू और बाघ जैसे बेहद खूंखार और भयावह वन्य पशुओं का मानव बस्तियों में अतिक्रमण और उनके द्वारा मनुष्यों, विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं पर हमले किए जाने की घटनाएं दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में बाघों, भालुओं, तेंदुओं और जंगली हाथियों, मध्य प्रदेश में सियारों एवं पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में जंगली हाथियों के हमले मनुष्यों कोई नई बात नहीं है। निर्विवाद रूप से ये घटनाएं अत्यंत दुरूखद और भयावह हैं। इसलिए लोगों का आक्रोशित होना उचित है, लेकिन प्रश्न है कि आखिर जंगल में आजाद विचरण करने, छोटे वन्य पशुओं का शिकार कर अपना तथा परिवार का भरण-पोषण करने और सामान्यतः अपने परिवार के साथ जीवन यापन करने वाले ये भेड़िए इतने खूंखार क्यों हो गए कि हमारे छोटे-छोटे मासूम बच्चों को मारकर खाने लगे। जाहिर है कि इस प्रकार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की भरपाई संभव नहीं होगी। अब लोगों को चेतना होगा अपने बचत के लिए मानवों को जानवरों के आशियाने को बचाना होगा।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# बड़े बदलाव ही रोकेंगे चुनावी कदाचार

केपी सिंह

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 द्वारा प्रदत्त 'वयस्क मताधिकार' लोकसभा और विधानसभाओं के लिए होने वाले चुनाव का आधार है। 18 वर्ष से अधिक आयु का भारत का प्रत्येक नागरिक, जो अन्यथा अयोग्य नहीं है, मतदाता के रूप में पंजीकरण का हकदार है। यह अधिकार लोकतंत्र की रीढ़ है जिसमें किसी व्यक्ति की धन-सम्पत्ति, हैसियत और शारीरिक बल कोई मायने नहीं रखता है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित कराना भारत के चुनाव आयोग का सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य है, क्योंकि यह चुनावों पर निगरानी रखने वाला एकमात्र संवैधानिक प्राधिकरण है। इतना ही नहीं, संविधान के अनुच्छेद 329 के अंतर्गत चुनावी मामलों में न्यायालयों के हस्तक्षेप पर भी रोक है, चुनाव प्रक्रिया सम्पूर्ण हो जाने पर ही चुनाव याचिका दायर की जा सकती है। इसके बावजूद चुनाव प्रचार धोखाधड़ी, विश्वासघात, चुनाव प्रक्रियाओं में हेराफेरी, धन और बाहुबल के जबरदस्त दुरुपयोग की गाथा जैसी विसंगतियों से रूबरू होना है। जहां भ्रष्ट आचरण इतने ज्वलंत और विविध हैं कि चुनाव पर्यवेक्षक भी यह सुनिश्चित करने के लिए आतुर रहते हैं कि चुनाव प्रक्रिया निर्बाध रूप से चलती रहे और शिकायतों पर ध्यान देना उनकी प्राथमिकताओं में नहीं रहता है।

जिस दिन से उम्मीदवारी तय हो जाती है, उसी दिन से गलियों में मुफ्त शराब का प्रवाह शुरू हो जाता है, खासकर उन कालोनियों में जहां वंचित वर्ग के लोग कस्बों और गांवों के बाहरी क्षेत्रों में रहते हैं। लोग जानते है कि वे अपनी आपूर्ति कहां से पूरी कर सकते हैं और पुलिस भी आमतौर पर इसे नजरअंदाज कर देती है। आपूर्तिकर्ता कौन-सी पार्टी से है यह सभी को पता होता है। ऐसे शराबियों के चेहरे पर अविश्वास स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है और उन्हें प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा खोले गए शराब आपूर्ति बिन्दुओं के इर्द-गिर्द घूमते देखा जा सकता है। उम्मीदवार के एजेंट से हस्ताक्षरित पर्ची दिखाने पर शराब की दुकानों पर डिजिटल भुगतान के माध्यम ने शराब की सप्लाई को आसान बना दिया है।

शराब पर अंधाधुंध खर्च अन्य सभी चुनावी खर्चों से अधिक होता है। यह जानकर और भी परेशानी होती है कि कई चुनावों में शराब ही चुनाव नतीजे गहरे तक प्रभावित करती है। वोट के बदले नोट एक कटु सत्य है, धनराशि चुनाव के महत्व और मतदाता की स्थिति



के आधार पर निर्भर होती है। नगदी को ठेकेदारों के माध्यम से वितरित किया जाता है जो वोटों के सम्भावित खरीदार के साथ एक समझौता करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी विशेष उम्मीदवार के लिए क्षेत्र के एक विशेष संख्या में वोट डाले जाएं। यहां तक कि घर-घर जाकर सूट या साड़ी के साथ नकदी देकर भी व्यक्तिगत वोट को खरीदा जाता है। कुछ उम्मीदवारों द्वारा मतदान के दिन मतदान-पर्ची की आड़ में नकदी की पेशकश करते हुए भी देखा गया है। कहीं-कहीं वोट डालने का शुल्क रुपये प्रति वोट तक निर्धारित होता है। यह जानना दिलचस्प है कि स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतों के कई लालची निर्वाचित प्रतिनिधि चुनाव से ठीक पहले समूह बनाते हैं और अपने प्रभाव वाले वोटों के लिए सामूहिक रूप से उम्मीदवारों से सौदेबाजी करते हैं। राजनीतिक दलों का चुनाव घोषणापत्र, राष्ट्रीय प्रचार माध्यमों पर बहस के लिए एक दस्तावेज से अधिक कुछ भी नहीं होता है। सड़कों पर चुनाव सामान्यतः स्थानीय मुद्दों पर लड़े जाते हैं और इसमें उम्मीदवार का चेहरा और किरदार बहुत मायने रखता है। हालांकि, कुछ आकर्षक वादे जैसे मासिक पेंशन और मतदाताओं को लैपटॉप आदि देना भी तुरंत काम करते हैं। जाति, पंथ, धर्म और आस्था चुनाव परिणाम निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उम्मीदवारों को ऐसे संतों और साथियों से समर्थन प्राप्त करते देखा जा सकता है। प्रतिद्वंद्वी दलों द्वारा प्रतिदिन अभियान के लिए राजनीतिक बयानबाजी और मुद्दे निर्धारित किए जाते हैं और संचार माध्यम इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय चुनाव आयोग, चुनाव प्रचार में बेलगाम सोशल मीडिया और यूट्यूबर्स के हस्तक्षेप पर ध्यान देने में विफल रहा है।

सोशल मीडिया और स्वतंत्र यूट्यूबर्स की मांग उम्मीदवारों पर बहुत भारी पड़ती है और वे अच्छा भुगतान न मिलने पर उम्मीदवार को परेशान करने या उसकी संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने के लिए उनके मुंह में विवादित शब्द डालने की कोशिश करते हैं। पेड-न्यूज और दुर्भावनापूर्ण अभियान के आरोप भी लगते हैं। स्थानीय पुलिस और प्रशासन में जिला-स्तर के प्रमुखों के पाक-साफ इरादों के बावजूद सत्ताधारी दल के कदाचारों को नजरअंदाज का स्पष्ट पूर्वाग्रह है, क्योंकि निचले स्तर के पदाधिकारी, जिन्हें जिले में सेवा करनी होती है, प्रभावशाली स्थानीय राजनेता को नाराज करने का जोखिम नहीं लेते हैं।

# जल जैसा हो मन तो निरोगी होगा तन



रेनू सैनी

जल स्वच्छता एवं निर्मलता का पर्याय। जल यदि निर्मल होता है तो उसमें व्यक्ति दर्पण की भांति अपनी तस्वीर देख सकता है। सोचिए, यदि मन भी इतना ही स्वच्छ एवं निर्मल हो तो क्या हो? व्यक्ति का मन यदि जल-सा शीतल एवं स्वच्छ बन जाए तो उसके अंदर से निर्दयता का लोप हो जाए। अनेक भयंकर बीमारियां व्यक्ति को अपना शिकार इसलिए बनाती हैं क्योंकि उसके मन पर कालिमा के ऐसे गहन धब्बे पड़ जाते हैं जो शरीर को दूषित कर उन्हें बीमारियों में परिवर्तित कर देते हैं। सुप्रसिद्ध लेखक जोस सिल्वा अपनी पुस्तक, 'यू द हीलर' में कहते हैं कि, 'मन मस्तिष्क को चलाता है और मस्तिष्क शरीर को। और इस तरह शरीर आदेश का पालन करता है।'

जल यदि निरंतर प्रवाहित होता रहता है तो खेतों, नदियों, स्रोतों सभी को पोषित करता हुआ चलता है। वहीं जब जल एक जगह रुक जाता है तो कुछ समय बाद उसमें बदबू एवं गंदगी जमा हो जाती है। उस जल में अनेक कीड़े-मकोड़े अपना घर बना लेते हैं। इस तरह जल का अस्तित्व समाप्त हो जाता है, कुछ समय बाद वहां पर कीचड़ एवं गंदगी जमा हो जाती है। जो स्वच्छ नहीं है वह जल नहीं है। जब हमारे मन में किसी के प्रति ईर्ष्या, द्वेष या बदले की भावना के बीज अंकुरित होने लगते हैं तो ऐसे व्यक्तियों के प्रति हमारा मन ठहर जाता है। ऐसे में मन के कोने में गांठें बनने लगती हैं। यही गांठें उम्र और समय के साथ-साथ बड़ी और हानिकारक बन जाती हैं। जल जब ठहर जाता है तो वहां वह अपने स्वरूप में नहीं रहता। कुछ समय बाद वहां गंदगी और कीचड़ उत्पन्न हो जाती है। लेकिन मन, वह नहीं बदलता। अनेक गांठें एवं दुर्भावनाएं मन में इकट्ठी होती रहती हैं, लेकिन मन मन ही रहता है। हां, इतना अवश्य होता है कि उस मन की दुर्भावनाओं में एक दिन विस्फोट होता है और व्यक्ति या तो गंभीर बीमारियों से ग्रसित हो जाता है अथवा इस दुनिया से ही चल बसता है। अगर हमें अपने मन को जल बनाना है तो उसमें निरंतर प्रवाहित होना होगा। मन में दुर्भावनाओं, लोभ और ईर्ष्या का जाल एकत्रित नहीं होने देना है।

जब व्यक्ति इस सीख से जल की तरह प्रवाहित होना सीख जाता है तो वह इतिहास रच देता है। चार्लोट चोपिन 101 वर्ष की हैं। वे कहती हैं कि प्रारंभ में वह घर के कामों में व्यस्त रही। जब वे पचास वर्ष की हो गईं तो एक दिन वे पानी पीते हुए जल के बारे में सोचने लगीं। वे स्वयं से बोलीं, 'जल कितना स्वच्छ है। यह सदैव ऐसा ही रहता है। मेरा शरीर अब पहले जैसा नहीं रहा।' फिर अचानक उन्होंने अपने हृदय पर हाथ रखा। इसके बाद एकाएक जैसे उनमें स्फूर्ति का संचार हुआ। उन्होंने निश्चय कर लिया कि वे अपने मन को जल जैसा लचीला और शुद्ध बनाएंगी। इसके लिए उन्होंने योग करना प्रारंभ कर दिया। पहले तो लोगों ने उनका मजाक बनाया। अक्सर लोग उन्हें योग करते हुए देख कर कहते थे, 'बूढ़ी घोड़ी, लाल लगाम।' मगर चार्लोट अपने मन की सुनती रहीं।

वे मन की धारा के अनुसार बहती रहीं। आखिर एक दिन ऐसा भी आया जब वे न केवल योग में पारंगत हो गईं, अपितु उन्होंने लोगों को योग का प्रशिक्षण भी देना आरंभ कर दिया। कुछ ही दिनों में उनकी ख्याति पूरे देश ही नहीं बल्कि विश्व में फैल गई। प्रधानमंत्री मोदी ने भी 'मन की बात' नामक कार्यक्रम में चार्लोट चोपिन की प्रशंसा की। वे फ्रेंच टीवी शो, 'फ्रास गॉट इनक्रेडिबल टैलेंट' में भी नजर आ चुकी हैं। आज योग की दुनिया में उनका अपना एक विशिष्ट स्थान है। चार्लोट कहती हैं कि यदि हर व्यक्ति अपने मन की आवाज सुन ले, मन को प्रवाहित करता रहे तो वह अनेक बीमारियों एवं मुसीबतों से बच सकता है। मियामोतो मुसाशी इतिहास के सबसे अधिक विख्यात रोनिन हैं। वे मानविकी और तलवार दोनों में ही निपुणता रखते थे। वे इसी अवधारणा पर बल देते थे कि, 'अपने मन को जल में बदलें।' उनका कहना था कि व्यक्ति का मन, भाव, विचार तथा कठिन परिस्थितियों के बीच प्रतिक्रिया देने का तरीका सब कुछ जल की तरह होना चाहिए। व्यक्ति को उस जल की तरह होना चाहिए जो दरारों के बीच भी अपनी जगह बना लेता है।

इसलिए व्यक्ति को अड़ियल प्रवृत्ति का नहीं होना चाहिए। उसे हर वस्तु एवं व्यक्ति के प्रति अनुकूल बनना आना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति समस्याओं के पार जाने या आसपास से निकलने का मार्ग सरलता से खोज लेता है। यदि भीतर जड़ता नहीं होती तो बाहरी चीजें और रुकावटें स्वयं ही ओझल हो जाती हैं। जब व्यक्ति का मन जल जैसा हो जाता है तो वह चिंताग्रस्त नहीं होता। आकुलता-व्याकुलता उसे परेशान नहीं करती। वह शांत भाव से सब का सामना कर उनसे पार पा लेता है और अपनी मंजिल के बिंदु पर पहुंच जाता है। समायोजन ही सफलता का मूल तत्व है। इसलिए यदि व्यक्ति का मन जल की भांति हो जाता है तो वह उसे गतिहीन होने के बजाय, निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। एक बार अपने मन को जल में बदलकर देखें तो सही, कुछ ही समय में आने वाले सकारात्मक परिवर्तन आपके जीवन को खुशियों और समृद्धि में बदल देंगे।

# तुरंत एनर्जी पाने के लिए खाएं ये आहार

## शरीर में थकान नहीं होगी महसूस

चाहे आप अपने दिन की शुरुआत साइकिलिंग से करें या फिर सरल व्यायाम से, आपको पर्याप्त ऊर्जा की आवश्यकता तो होती ही है और इस ऊर्जा का स्रोत है पौष्टिक और सुपाच्य आहार। दुनिया में आज के समय में जितनी भी तेज रफ्तार से दौड़ती-भागती चीजें हैं, उनमें से अधिकतर ईंधन से चलने वाली हैं। लेकिन शरीर के लिए जो ईंधन लगता है, वह वाहनों में डाले जाने वाले पेट्रोल की तरह तत्काल प्रभाव में नहीं आता। शरीर के ईंधन के उत्सर्जित होने की अपनी एक अलग प्रक्रिया है, क्योंकि शरीर एक जटिल मशीन है, जो भोजन के अंदर जाते ही उसे ऊर्जा रूप में परिणत नहीं करता। हमारे अंदर की मशीनरी कुछ ऐसी है, जो भोजन में से माइक्रोन्यूट्रिएंट्स से ग्लूकोज निकालती है और इसका उपयोग शुरू कर देती है। हमारा शरीर ऊर्जा के लिए कार्बोहाइड्रेट का उपयोग ज्यादा पसंद करता है। अब ऊर्जा प्राप्त करने के लिए भोजन में स्वाद तो हमें ही खोजना होगा। पोषण को यदि भोजन से जोड़ा जाए तो जरूरी नहीं कि यह बेहद स्वादिष्ट लगे। इसलिए हमें कुछ समझौते तो करने पड़ेंगे और निश्चित रूप से यह समझौता स्वाद ही होगा।

### शतावरी

हमारे देश में शतावरी को सब्जी के रूप में खाया जाता है। यह एक बेल या झाड़ के रूप वाली जड़ी-बूटी है, जिसे आयुर्वेदिक औषधि के रूप में भी जाना जाता है। इसमें फोलेट, फाइबर, क्रोमियम और विटामिन ए, सी, ई जैसे तत्व पाए जाते हैं। यह एंटीऑक्सीडेंट का भंडार होती है, जिसमें शरीर के सेल्स को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री-रेडिकल्स को बेअसर करने की क्षमता होती है। शतावरी वसंत ऋतु में व्यापक रूप से उपलब्ध होती है।

### ओटमील

यह हेल्दी और हल्के फूड में से एक है। इसमें प्रचुर मात्रा में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। सुबह नाश्ते में खाया गया ओटमील दिन भर आपको फ्रेश और एनर्जेटिक रखता है। इसमें फाइबर के साथ हेल्दी कार्बोहाइड्रेट विटामिन ई, फोलिक एसिड, थियामिन, बायोटिन, जिंक और आयरन होता है। मशरूम पाचन तंत्र को दुरुस्त करने में फायदेमंद होता है। इसके सेवन से आपको संपूर्ण स्वस्थ रहने में मदद मिलती है।

### हरी पत्तेदार सब्जियां

जब भी अधिक थकान महसूस हो तो समझ जाएं कि शरीर में आयरन की कमी है। हरी पत्तेदार सब्जियां आयरन और हीमोग्लोबिन के लिए आवश्यक हैं। ये शरीर में ऑक्सीजन को पहुंचाती हैं। आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए अपने आहार में हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करें। पालक जैसी सब्जियां रेड ब्लड सेल्स को बढ़ाती हैं, तो केले में भारी मात्रा में पोटैशियम पाया जाता है, जो शरीर को ताकत देने के साथ मांसपेशियों में दर्द, सूजन और ऐंठन को रोकता है। वहीं, कसरत करने वालों के लिए शकरकंद बेस्ट फूड है। इसमें कम कैलोरी और ज्यादा कार्बोहाइड्रेट तथा फाइबर होता है, इसलिए शकरकंद फैट बर्न करने, भूख को नियंत्रित करने और पाचन तंत्र को दुरुस्त करता है।

### मशरूम

मशरूम की सब्जी भला किसे पसंद नहीं होगी। यह सब्जी मुंह का स्वाद बढ़ाने के साथ सेहत को भी कई लाभ देती है, क्योंकि इसमें पोटैशियम, कॉपर, आयरन, फाइबर जैसे तमाम जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। दिन में एक कप मशरूम खाने से शरीर को 50 प्रतिशत आयरन प्राप्त होता है। यह आयरन शरीर को तुरंत ऊर्जा देता है। वहीं, जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज की समस्या है, उनके लिए भी मशरूम का सेवन बेहद लाभकारी है। लेकिन इसकी अच्छी तरह सफाई करना जरूरी है, ताकि इसकी सारी गंदगी निकल जाए और यह किसी भी तरह से आपकी सेहत को नुकसान न पहुंचाए।

### खट्टे फल

विटामिन-सी से भरपूर खट्टे फलों का अधिक सेवन इम्यून सिस्टम और एनर्जी लेवल को बढ़ाने में मददगार होता है। ये फल शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालते हैं और इम्यून पावर को बढ़ाते हैं। इसलिए दिन भर की थकान को मिटाने के लिए एक गिलास ताजा संतरे या नींबू का रस जरूर पीएं। खट्टे फल, जैसे कि नींबू, संतरा, मौसंबी, जो विटामिन सी के साथ न्यूट्रिएंट्स से भरे होते हैं और आपको लाभ पहुंचाते हैं। इन्हीं में से एक है स्ट्रॉबेरी। 'जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री' के अनुसार, इसमें विटामिन सी, फोलेट और फेनॉल जैसे एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करते हैं।

## हंसना मना है

एक खरगोश रोज एक लोहार की दुकान पर जाता और पूछता गाजर है? लोहार इंकार कर देता। एक दिन लोहार को बहुत गुस्सा आया और उसने पकड़कर खरगोश के दांत तोड़ दिए। और कहा अब तू गाजर खा के दिखा? फिर क्या अगले दिन खरगोश आया और पूछने लगा -गाजर का हलवा है?

पोता- दादी आपने कौन-कौन से देश घूमे हैं? दादी- अपना पूरा हिंदुस्तान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, उज़बिस्तान, पोता- अब कौन सा घूमोगी, पीछे से छोटा पोता बोला-कब्रिस्तान, दे चप्पल दे चप्पल कमर लाल कर दी..

एक युवती ने अपना मंगेतर सहेली को दिखाया तो वो बोली- 'लड़का तो ठीक-ठाक है, पर जब हंसता है तो इसके दांत बिलकुल भी अच्छे नहीं लगते।' युवती- 'वैसे भी मैं शादी के बाद इसे हंसने का मौका ही कब दूंगी।'

एक औरत ने पंडित जी से घर की खुशहाली का उपाय पूंछा, पंडित जी .. बेटी पहली रोटी गाय को खिलाया करो और आखिरी रोटी कुत्ते को, औरत- पंडित जी मैं ऐसा ही करती हूं, पहली रोटी खुद खाती हूं और आखिरी रोटी अपने पति को खिलाती हूं, पंडित बेहोश!!

## कहानी | वृन्दावन की चीटियां

एक संत एक बार वृन्दावन गए वहां कुछ दिन घूमे फिरे दर्शन किए जब वापस लौटने का मन किया तो सोचा भगवान् को भोग लगाकर प्रसाद लेता चलूं। संत ने रामदाने के कुछ लड्डू ख़रीदे और प्रसाद चढ़ाया और आश्रम में आकर सो गए। सुबह ट्रेन से चले। मुगलसराय स्टेशन तक आने में शाम हो गयी। संत ने सोचा, अभी पटना पहुंचने समय लगेगा भूख लग रही है, मुगलसराय में ट्रेन रूकी संत ने हाथ पैर धोया और लड्डू खाने के लिए डिब्बा खोला तो चींटे लगे हुए थे, उन्होंने चींटों को हटाकर एक दो लड्डू खा लिए। बाकी प्रसाद बांटने के लिए छोड़ दिए। फिर संत को लड्डूओं से अधिक उन चींटों की चिंता सताने लगी। सोचने लगे, ये चींटें कितने भाग्यशाली थे, इनका जन्म वृन्दावन में हुआ था। अब इतनी दूर से पता नहीं कितने दिन या कितने जन्म लग जाएंगे इनको वापस पहुंचने में! मैंने कितना बड़ा पाप कर दिया, इनका वृन्दावन छुड़वा दिया। नहीं मुझे वापस जाना होगा। फिर डिब्बे को लेकर वृन्दावन की ट्रेन पकड़ ली। उसी मिठाई की दूकान के पास गए डिब्बा धरती पर रखा और हाथ जोड़ लिए। मेरे भाग्य में नहीं कि तेरे ब्रज में रह सकूं तो मुझे कोई अधिकार भी नहीं कि जिसके भाग्य में ब्रज की धूल लिखी है उसे दूर कर सकूं। दूकानदार ने देखा तो बोला महाराज आप दूसरी मिठाई तौलवा लो। संत ने कहा कि भईया मिठाई में कोई कमी नहीं थी। इन हाथों से पाप होते होते रह गया उसी का प्रायश्चित कर रहा हूं। दुकानदार ने जब सारी बात जानी तो उस संत के पैरों के पास बैठ गया, भावुक हो गया। इधर दुकानदार रो रहा था! उधर संत की आंखें गीली हो रही थीं। बात भाव की है, बात उस निर्मल मन की है, बात ब्रज की है, बात मेरे वृन्दावन की है। बात मेरे नटवर नागर और उनकी राधारानी की है, बात मेरे कृष्ण की राजधानी की है। बूझो तो बहुत कुछ है, नहीं तो बस पागलपन है, बस एक कहानी।

## 7 अंतर खोजें

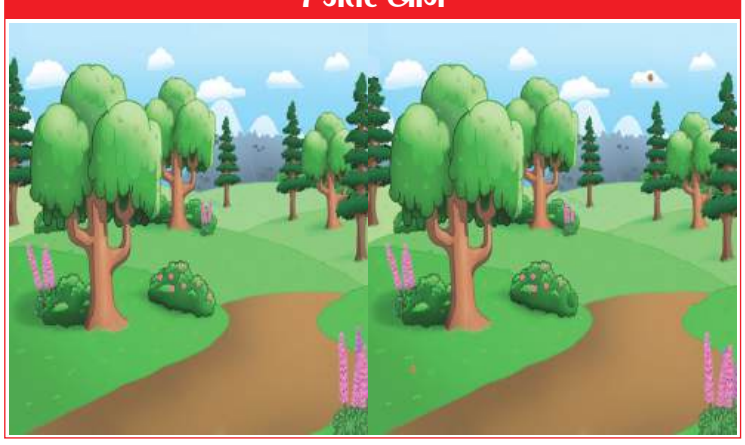

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

आज पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। कुसंगति से बचें।

**वृषभ**

नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। शुभ समय। शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

**मिथुन**

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी।

**कर्क**

शादी की बात बिगड़ सकती है। आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

**सिंह**

पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे।

**कन्या**

आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा।

**तुला**

प्रेम-प्रसंग में समय अच्छा रहने से आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें।

**वृश्चिक**

राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी।

**धनु**

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

**मकर**

घर-परिवार में कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

**कुम्भ**

कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है।

**मीन**

व्यवसाय में आय में निश्चितता रहेगी। नौकरीपेशा को प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी।

# अब ओटीटी पर धमाल मचाने आ रही अक्षय कुमार की 'सरफिरा'

अक्षय कुमार और राधिका मदान स्टारर 'सरफिरा' 12 जुलाई 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। ये तमिल फिल्म सोरारई पोटरू की रीमेक है। लगभग 100 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने घरेलू बाजार में 26.3 करोड़ और दुनिया भर में 30.02 करोड़ का कारोबार किया था।

ये फिल्म बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में अपना आधा बजट भी वसूल नहीं कर पाई है लेकिन डिजिटल राइट्स बेचने का फायदा फिल्म को जरूर मिला है। अब अक्षय कुमार स्टारर यह फिल्म ओटीटी पर डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। चलिए यहां जानते हैं ये फिल्म कब, कहां और कितने बजे ओटीटी पर रिलीज होगी?

अक्षय कुमार स्टारर 'सरफिरा' 11 अक्टूबर, 2024 से डिज्नी+हॉटस्टार पर ऑनलाइन देखने के लिए अवेलेब होगी। आप सब्सक्रिप्शन प्लान के साथ मूवी को ऑनलाइन स्ट्रीम कर पाएंगे। अक्षय कुमार ने एक्स अकाउंट पर 'सरफिरा' की ओटीटी रिलीज की अनाउंसमेंट की है। एक्टर ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, अपने सपनों को पूरा करने के लिए,सरफिरा होना पड़ता है! सरफिरा में एक आम आदमी के सपनों को उड़ते हुए देखें, 11 अक्टूबर से केवल डिज्नी + हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग। बता दें कि 'सरफिरा' के लगभग आधी रात को डिज्नी+हॉटस्टार पर रिलीज होने की उम्मीद की जा सकती है।

## 'सरफिरा' की क्या है कहानी

बता दें कि 'सरफिरा' का निर्देशन सुधा कोंगारा द्वारा किया गया है और सूर्या, अरुणा भाटिया, ज्योतिका और विक्रम मल्होत्रा ने इस फिल्म को प्रोड्यूस किया है। सुधा के अलावा फिल्म की स्क्रिप्ट राइटिंग शालिनी उषादेवी ने भी की है। ये फिल्म वीर जगन्नाथ म्हात्रे के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है। वह महाराष्ट्र से थे और उनकी महत्वाकांक्षा एक कम बजट वाली एयरलाइन शुरू करने की थी। सभी सोशल और टेक्निकल बाधाओं से लड़ते हुए, म्हात्रे अपने सपने को पूरा करता है

बॉलीवुड | मन की बात

# शादी से इंकार करने पर उसने घोंप दिया चाकू : मालवी मल्होत्रा

टीवी अभिनेत्री मालवी मल्होत्रा ने बताया कि साल 2020 में टीवी अभिनेत्री मालवी मल्होत्रा को एक युवक ने शादी के लिए प्रपोज किया था, इस रिश्ते को मालवी ने ठुकरा दिया था। मना करने पर उस युवक ने उन्हें परेशान करना शुरू कर दिया। वह मालवी का पीछा करने लगा और एक दिन मालवी के पेट में चाकू घोंप दिया था। अपने साथ हुई इस दर्दनाक घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि दोषी को सेशन कोर्ट ने तीन साल के कारावास की सजा दी है। घटना को याद कर मालवी अपना दर्द नहीं संभाल सकीं और भावुक हो गईं। अभिनेत्री मालवी ने बताया कि मुंबई के अंधेरी-वर्सोवा इलाके में 26 अक्तूबर, 2020 को मालवी को योगेश महिपाल सिंह नाम के आदमी ने उन पर हमला किया था। उसने मालवी के पेट के नीचे के हिस्सा और हाथ पर चाकू घोंप दिया था। इस हमले के बाद वह इलाके से भाग गया था। वहां मौजूद लोगों ने मालवी को अस्पताल पहुंचाया था। मालवी कई दिनों तक अस्पताल में रही थीं। पुलिस ने उस आदमी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था। अब कोर्ट ने आदमी को इस घटना के लिए जिम्मेदार माना है। मालवी ने बातचीत के दौरान बताया कि इस घटना के बाद लेकिन मेरे परिवार, खासकर मेरे पिताजी ने मेरी बहुत मदद की। उन्होंने मुझसे कहा कि शारीरिक चोटें ठीक हो जाएंगी, लेकिन मुझे अपना जीवन डर के साथ नहीं जीना चाहिए। उन्होंने मुझे अपनी रक्षा करके कैसे जीना है, इस बारे में सिखाया। मुझे घर से बाहर निकलने और खरीदारी करने या कुछ और करने के लिए मजबूर किया जिससे मुझे खुशी मिले। उस समय पुलिस को दिए अपने बयान में मालवी मल्होत्रा ने कहा कि 2019 में उन्हें फेसबुक पर योगेश से एक फ्रेंड रिक्वेस्ट मिली थी। योगेश महिपाल सिंह ने अपने आप को प्रोड्यूसर बताया था। इसके बाद वह दोनों कई बार मिले भी थे। कुछ समय बाद योगेश ने उन्हें शादी के लिए प्रपोज किया। अभिनेत्री के मना करने पर योगेश उनका पीछा करने लगा और चाकू घोंपकर उनकी हत्या का प्रयास किया।

# इंशाअल्लाह के बंद होने पर खूब रोई थीं आलिया भट्ट, कर लिया था लॉक

कुछ सालों पहले फिल्म इंशाअल्लाह में अभिनेत्री आलिया भट्ट और अभिनेता सलमान खान को साथ में देखा गया था। इस फिल्म को संजय लीला भंसाली ने बनाया था। हालांकि, इस फिल्म को बंद कर दिया गया था, जिससे प्रशंसकों का दिल टूट गया था। संजय लीला भंसाली ने अपनी इसी फिल्म को लेकर अब कुछ और बातें कही हैं। उन्होंने बताया कि इस फिल्म के बंद होने पर कैसे आलिया ने अपने आप को कमरे में बंद कर लिया था। वह फिल्म के बंद होने पर बुरी तरह टूट गई थीं।

संजय लीला भंसाली ने एक बातचीत के दौरान बताया कि आलिया ने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया। उन्होंने बताया कि जब वह आलिया भट्ट के साथ इंशाअल्लाह के लिए काम कर रहे थे और अचानक यह फिल्म बंद हो गई। फिल्म निर्माता ने कहा, वह टूट गई, वह फूट-फूटकर रोने लगी थीं, उन्होंने खुद को कमरे में बंद कर लिया था। संजय लीला भंसाली ने एक हफ्ते बाद आलिया को फोन किया और कहा कि वह उनकी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में मुख्य महिला की भूमिका निभाने जा रही हैं। इस पर आलिया को संदेह हो गया था कि वह ये किरदार निभा भी सकती हैं या नहीं।

इस प्रपोजल के बाद आलिया ने एक दिन संजय लीला भंसाली को फोन किया और कहा, जिस जगह का किरदार मुझे निभाना था, मैं उसी कमाठीपुरा आई हूं। मैं कैसे करूं? मैं इस किरदार को नहीं जानती हूं। तब संजय लीला भंसाली ने उन्हें शांत किया और कहा कि भरोसा रखो। इस फिल्म के लिए उन्होंने जैसा काम चाहा वैसा ही किया। आलिया को अपने किरदार गंगूबाई के लिए प्रशंसकों का बहुत प्यार मिला था।

अभिनेत्री आलिया भट्ट जल्द ही अपनी आगामी फिल्म लव एंड वार में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में आलिया के साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी दिखाई देंगे। संजय लीला भंसाली ने बातचीत के दौरान बताया कि इस फिल्म में वह अपना सबसे अच्छा काम देना चाहते हैं। फिल्म लव एंड वार साल 2026 में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

# इस गांव में कोई पशुपालक नहीं बेचता दूध, वजह है अजीबो गरीब

आज से करीब 100 वर्ष पहले इस गांव में आए महंत मुनिजी शमशेरगिरी महाराज को ग्रामीणों द्वारा दिए गए वचन की पालना की जा रही है। जब संत इस गांव आए थे और यहां तपस्या की थी, तब संत ने ग्रामीणों से कहा था कि गांव में गाय और भैंसों का दूध अन्य गांव में नहीं बेचें, घर में ही रखें। दूध बेचने का मतलब पुत्र बेचने जैसा है। संत की इस बात को मानते हुए ग्रामवासियों ने भी दूध नहीं बेचने का निर्णय किया। जिसकी पालना आज भी चौथी पीढ़ी कर रही है। गांव में कोई भी पशुपालक परिवार किसी को दूध नहीं बेचता है। गाय-भैंसों से मिलने वाले दूध का दही जमाकर उसका घी बनाते हैं। इस घी की वजह से गांव का नाम घी वाला बग गांव पड़ गया है। इस गांव में तैयार होने वाले देशी घी को खरीदने के लिए जिले के अलावा जालोर और गुजरात से भी लोग आते हैं। 800-1000 लीटर दूध का होता है उत्पादन। 200 से अधिक परिवार निवासरत हैं। इनमें अधिकांश परिवार पशुपालन से जुड़े हुए हैं। पशुपालकों के पास गाय और भैंसों से रोजाना 800-1000 लीटर दूध निकलता है। इस दूध को किसी डेयरी पर नहीं बेचा जाता है। कुछ वर्ष पूर्व एक डेयरी द्वारा यहां मिल्क सेंटर शुरू किया जाना था, लेकिन ग्रामीणों ने शमशेर गिरी को दिए वचन के चलते डेयरी खोलने से मना कर दिया। गांव में किसी के घर कोई शादी या सामाजिक या धार्मिक कार्यक्रम हो तो वहां गांव से पशुपालक निशुल्क दूध पहुंचाते हैं। गांव में गाय-भैंसों को बीमारी से बचाने के लिए आषाढ़ माह की दशमी को मेला भरता है। जिसमें हर गाय-भैंस के अनुसार गांव से ही घी इकट्ठा कर चूरमा बनाया जाता है। ऋषि को भोग लगाकर ही प्रसाद ग्रामीणों में वितरण करते हैं।

अजब-गजब | क्या इस पहनावे के पीछे है कोई साइंस?

# क्या आप जानते हैं डॉक्टर ऑपरेशन करते समय क्यों पहनते हैं हरे कपड़े?

सोशल मीडिया साइट कोरा पर अक्सर लोग सवाल पूछकर लोगों से उसका जवाब जानना चाहते हैं। इन सवालों के जवाब एक्सपर्ट्स भी देते हैं, साथ ही जानकारी रखने वाले यूजर्स भी अपनी बात रखते हैं। ऐसा ही एक सवाल आज हम आपके लिए लेकर आए हैं, जिसके बारे में जानना दिलचस्प है। कोरा पर एक यूजर ने सवाल किया है कि सर्जरी के समय डॉक्टर्स हरे रंग के कपड़े ही क्यों पहनते हैं? क्या इसके पीछे कोई साइंस है? आखिर कबसे इसकी शुरुआत हुई? आइए आज हम आपको इस बारे में सबकुछ बतलाते हैं। सबसे पहले तो आपने भी देखा होगा कि किसी हॉस्पिटल में सर्जरी के दौरान आमतौर पर हरे कपड़ों में नजर आता है, कभी-कभार नीले कपड़ों में भी दिख जाते हैं। लेकिन लाल-पीले कपड़ों में इन डॉक्टरों को सर्जरी करते हुए कभी नहीं देखा होगा। तो आखिर इसकी वजह क्या है? आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन 100 में सिर्फ 1 या 2 लोग ही होंगे, जिन्हें इस बारे में जानकारी होगी।

दरअसल, हरे रंग के कपड़े पहनने की शुरुआत साल 1914 में एक प्रभावशाली डॉक्टर ने किया था। उन्होंने हॉस्पिटल में पहने जाने वाले

पारंपरिक रंग सफेद को हरे रंग में बदल दिया था। इसके बाद से ये चलन चल निकला। ज्यादातर डॉक्टर्स हरे रंग के कपड़ों में ही सर्जरी करने लगे। हालांकि, कुछ चिकित्सक आज भी सफेद और नीले कपड़ों में भी सर्जरी करते हैं। लेकिन हरे, नीले कपड़ों में सर्जरी करने के पीछे एक साइंस है। आपने देखा होगा कि यदि आप रोशनी वाली जगह से घर में प्रवेश करते हैं तो आपकी आंखों के सामने एक पल के लिए अंधेरा छा जाता है। ऐसे में घर के अंदर यदि आप हरे या नीले रंग के संपर्क में आते हैं तो ऐसा नहीं होता। ऑपरेशन थियेटर में डॉक्टरों के साथ भी ऐसा ही होता है। हरे-नीले कपड़ों में डॉक्टर्स को चीजें ज्यादा बेहतर दिखती हैं।

हालांकि, बीएलएके सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल दिल्ली में कार्यरत ऑन्को सर्जन डॉ। दीपक नैन ऐसा नहीं मानते। न्यूज18 हिंदी से बातचीत में डॉ। नैन ने एकदफा बताया था कि दुनिया के सबसे पहले सर्जन माने जाने वाले सुश्रुत ने आयुर्वेद में सर्जरी के दौरान हरे रंग के इस्तेमाल की बात लिखी है। लेकिन इसकी कोई खास वजह नहीं है। कई जगहों पर सर्जरी के दौरान नीले और सफेद रंग के कपड़े भी सर्जन पहनते हैं। लेकिन हरा रंग इसलिए बेहतर होता है, क्योंकि खून धब्बे उसपर भूरे रंग के दिखाई देते हैं। हालांकि, कोरा पर एक यूजर ने भी इसका जवाब दिया है और इसके पीछे की साइंस को समझाया है। इस यूजर ने अपने उत्तर में लिखा है कि सर्जरी के दौरान चिकित्सकों का ध्यान लाल रंगों पर रहता है, क्योंकि खून भी लाल होता है। वहीं, प्रकाश के स्पेक्ट्रम पर हरे और नीले रंग लाल के विपरीत हैं। ऐसे में कपड़े के हरे और नीले रंग न केवल एक सर्जन की देखने की क्षमता में बढोतरी करते हैं, बल्कि उन्हें लाल रंग के प्रति अधिक संवेदनशील बनाते हैं।

# हम हारे नहीं, हमें हरवाया गया चुनाव : जयराम रमेश

## » हरियाणा के नतीजों को कांग्रेस ने नकारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि हरियाणा के चुनाव परिणाम पूरी तरह से अप्रत्याशित और आश्चर्यजनक हैं। यह जमीनी हकीकत के बिल्कुल विपरीत हैं। यह हरियाणा के लोगों की सोच के खिलाफ है। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों को कांग्रेस ने नकार दिया है। जयराम ने कहा कि हमें नतीजे स्वीकार नहीं हैं। हम हारे नहीं हैं, हमें हरवाया गया है। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि हरियाणा के चुनाव परिणाम पूरी तरह से अप्रत्याशित और आश्चर्यजनक हैं।**

यह जमीनी हकीकत के बिल्कुल विपरीत हैं। यह हरियाणा के लोगों की सोच के खिलाफ है। मुझे लगता है कि इन परिस्थितियों में परिणामों को स्वीकार करना हमारे लिए संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें कम से कम तीन जिलों में मतगणना प्रक्रिया और ईवीएम की कार्यप्रणाली पर बहुत गंभीर शिकायतें मिली हैं। उन्होंने कहा कि हमने हरियाणा में अपने वरिष्ठ सहयोगियों से बात की है और यह जानकारी दी है। हम इसे कल या परसों चुनाव आयोग के समक्ष रखेंगे। हम आयोग से समय मांगेंगे क्योंकि हमारे उम्मीदवारों ने बहुत गंभीर सवाल उठाए हैं। आज हमने हरियाणा में जो देखा वह चालाकी की जीत है। लोगों की इच्छा को नष्ट करने की जीत है और पारदर्शी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की हार है। जयराम रमेश ने कहा कि हरियाणा के बारे में हमें जो भी विश्लेषण करना होगा, हम जरूर करेंगे, लेकिन सबसे पहले हमें अलग-अलग जिलों से जो शिकायतें आ रही हैं, उन्हें चुनाव आयोग के पास भेजेंगे। हमने क्या किया, हमने क्या नहीं किया, कहां चूक हुई, इसका विश्लेषण भी जरूर होगा।

### जम्मू-कश्मीर चुनाव पर भी होगा विचार विमर्श

जम्मू-कश्मीर चुनाव पर उन्होंने कहा कि मैं मानता हूं कि जम्मू में हमारा प्रदर्शन बेहतर होना चाहिए था। इसके भी कुछ कारण हैं, उस पर भी विचार-विमर्श होगा। जम्मू-कश्मीर में जल्द ही एनसी और कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनेगी। एक साझा कार्यक्रम तैयार किया जाएगा और हम लोगों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

### हमने की थी ईवीएम बैटरियों की शिकायत : पवन खेड़ा

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि नतीजे पूरी तरह से अप्रत्याशित हैं। हम तो यहां तक कहेंगे कि हमें यह स्वीकार नहीं है। तीन जिलों, हिसार, महेंद्रगढ़ और पानीपत से हमारे उम्मीदवार के बारे में लगातार शिकायतें आ रही हैं। शिकायत है कि कैसे कुछ मशीनों की बैटरियां जो 99 प्रतिशत थीं उनमें हमें हारते हुए दिखाया गया और जिन मशीनों को छुआ तक नहीं गया, जिनकी बैटरियां 60-70प्रतिशत थीं उनमें हमारे उम्मीदवार को जीतते दिखाया गया।

# मोदी के पास बेशुमार ताकत पर वो भगवान नहीं : केजरीवाल

## » आप संयोजक ने पार्षदों को चुनाव का दिया मंत्र, बोले- जनता के बीच जाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एकबार फिर पीएम मोदी पर हमला किया है। वे पार्टी के सभी पार्षदों से मुलाकात कर रहे थे। साथ ही पार्टी पार्षदों को जनता के बीच जाने के लिए कहा है। उन्होंने संबोधन के दौरान कहा कि नरेंद्र मोदी के पास बेशुमार ताकत और पैसा है लेकिन वो भगवान नहीं हैं।**

लड़ाई भगवान और मोदी जी के बीच है। केजरीवाल ने कहा कि आखिरी में भगवान ही जीतेंगे और भगवान हमारे साथ हैं। नरेंद्र मोदी ने मुझे गिरफ्तार करके, दिल्लीऔर पंजाब में आप के विधायक तोड़कर सरकार गिराने और पार्षद तोड़कर एमसीडी छीनने की साजिश की थी। लेकिन वह इसमें विफल रहे। यह बताता है कि भगवान हमारे साथ हैं। भाजपा दस साल से सरकार चला रही है, लेकिन उनके पास दिखाने के लिए एक भी काम नहीं है। प्रधानमंत्री केवल विपक्षी पार्टियों को गाली देने में लगे रहते हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी की देशभर में तारीफ़ हो रही है। जनता हमारे जनहित के कामों की तारीफ करती है। लोग कहते हैं कि आप ने जनता के लिए बहुत कुछ किया है। आगे कहा कि पिछले दो साल आम आदमी पार्टी के लिए बेहद कठिन रहे हैं। हमारे ऊपर जिस तरह से हमले किए गए। वैसे किसी भी सरकार ने अब तक किसी भी पार्टी पर नहीं किये थे। भाजपा की केंद्र सरकार वास्तव में भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई जांच नहीं कर रही है। उनका उद्देश्य आम आदमी पार्टी और हमारी राजनीति को समाप्त करना है। आगे कहा कि मनीष सिसोदिया बेहद मजबूत इंसान हैं। वह डेढ़ साल जेल में रहे। भाजपा वालों ने आम आदमी पार्टी से अलग होने के तमाम ऑफर दिए। जेल के बाहर इनका परिवार भी तमाम कष्ट झेल रहा था लेकिन मनीष टूटे नहीं, भाजपा के आगे झुके नहीं। मुझे इनसे बहुत प्रेरणा मिली।

## सुल्तानपुर में अपराधियों के हौसले बुलंद

# सरेशाम युवक को मारी गोली

इलाज के दौरान हुई मौत, परिजनों ने किया हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। जिले में एक बार फिर से गोलियों की तड़ताहट हुई। मामला दोस्तपुर थानाक्षेत्र के गोसैसिंहपुर चौराहे का है, जहां पर एक अंडा व्यवसाई संतराम उर्फ लल्लू अग्रहरी पुत्र त्रिलोकीनाथ अग्रहरी (50वर्ष) को मंगलवार शाम बाइक सवार हमलावारों ने गले में गोली मार दी। वो बेसुध होकर वही गिर गए, हमलावर घटना को अंजाम देकर फरार हो गये। संतराम को बीरसिंहपुर 100 सैय्या अस्पताल ले जाया गया जहां से जिला अस्पताल सुल्तानपुर रेफेर किया गया, बाद में जिला अस्पताल से ट्रामा सेण्टर लखनऊ रेफेर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गयी।

मृतक के बेटे हिमांशु अग्रहरि ने थाना दोस्तपुर में तहरीर देते हुए आरोप लगाया कि उसके पिता अपनी अंडे की दुकान से घर जा रहे थे तभी सुजीत सोनी की दुकान के पास राज वर्मा, प्रदीप वर्मा निवासी खेमपुर, थाना मोतिगरपुर सौरभ वर्मा निवासी विभारपुर ने पुरानी खुन्नस के चलते जान से मारने की नीयत से नाजायज असलहों से उसके पिता को गोली मार दी। घटना को होते हुए उसने, विकास अग्रहरि और कल्लू अग्रहरि ने देखा है। साथ ही आरोप लगाया कि घटना अर्जुन पटेल निवासी खेमपुर की साजिश से अंजाम दी गयी है। पुलिस ने सभी नामजद आरोपियों एवं अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी हैं। सीओ कादीपुर ने बताया कि कठोरतम कार्यवाही की जाएगी और शीघ्र ही घटना का अनावरण किया जायेगा।

### हलियापुर बेलवाई मार्ग जाम कर किया प्रदर्शन

उधर घटना से आक्रोशित होकर परिजनों एवं स्थानीय लोगों से हलियापुर बेलवाई मार्ग जाम कर दिया। जानकारी होने पर सीओ विनय गौतम और थानाध्यक्ष दोस्तपुर पंडित तिवारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीण पुलिस अधीक्षक को बुलाने की मांग पर अड़े रहे। पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा जिला अस्पताल में घायल का हाल-चाल लेने के बाद घटना स्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों एवं परिजनों को कड़ी कार्यवाही का अश्वासन दिया उसके बाद परिजनों ने जाम हटा दिया। घटना के बाद मौके पर कई थानों की पुलिस तैनात कर दी गयी।

### कुछ माह पूर्व बच्चों के बीच हुआ विवाद बना हत्या की वजह

परिजनों एवं आस पास के लोगों अनुसार पूर्व में हुआ एक विवाद इस घटना की वजह बना, चौबीस जुलाई को मृतक के पुत्रों का अर्पित वर्मा से कुछ विवाद हो गया था जिसका मुकदमा भी अर्पित ने मृतक के पुत्रों के खिलाफ लिखवाया वहीं उसके बाद मृतक का पुत्र सचिन अग्रहरी सात अगस्त की रात्रि एक भोज से वापस आ रहा था तो रास्ते में करीब दस लोगों ने उस पर हमला बोल दिया जिसके बाद चार नामजद एवं छः अज्ञात के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हुआ। मृतक के परिजनों ने पुलिस पर शिकायत के बावजूद ढिलाई बरतने का आरोप लगाते हुए थानाध्यक्ष मोतिगरपुर पर भी गंभीर आरोप लगाए।

# आरोप लगाने वालों को लीगल नोटिस भेजूंगा : तेजस्वी यादव

## » ईडी या सीबीआई से जांच करवा ले भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**पटना। बिहार में 5 देशरत्न मार्ग स्थित बंगला को लेकर छिड़ी सियासत थमने का नाम नहीं ले रही है। भारतीय जनता पार्टी ने नेता प्रतिपक्ष पर जो गंभीर आरोप लगाए थे, अब वह मामला तूल पकड़ चुका है। पहले राष्ट्रीय जनता दल ने इन आरोपी को खारिज किया था। अब तेजस्वी यादव ने इसपर अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है। इतना ही नहीं तेजस्वी ने यहां तक कह दिया कि जिन जिन लोगों के मेरे ऊपर गंभीर आरोप लगाए हैं, उनको मैं लीगल नोटिस भेजूंगा।**

चाहे वो नेता हो या पत्रकार, किसी को नहीं छोड़ूंगा। सरकारी बंगले से सामान ले जान के सवाल पर तेजस्वी यादव ने स्पष्ट कहा है कि भाजपा उनकी छवि धूमिल करना चाहती है और जनता उनके साथ है। मेरे ऊपर लगाए गए सारे आरोप बेबुनाद हैं। मैं तो कहता हूं कि भाजपा इसकी जांच ईडी और सीबीआई से करवा लें। मेरे पास सारे वीडियो और सबूत हैं। बता दें कि भाजपा वह बंगले से निकलते समय वह सोफा-कुर्सी, एसी और यहां तक कि नल की टोंटी तक उखाड़ ले गए।

# बिम्ब कला केंद्र की वार्षिक सामान्य बैठक आयोजित

## » श्याम मिश्र अध्यक्ष, राजेश अरोड़ा शलभ कार्यकारी अध्यक्ष बने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। बिम्ब कला केंद्र की वार्षिक सामान्य बैठक संपन्न हुई। यह बैठक 2024-25 के लिए संस्था की कार्यकारिणी गठन के लिए की गई थी। बैठक के संरक्षक व निर्वाचन अधिकारी सूर्य कुमार पांडेय थे। बैठक में श्याम मिश्र, अध्यक्ष, राजेश अरोड़ा शलभ कार्यकारी अध्यक्ष बने।**

जबकि वीवपी मिश्र व राहुल दत्त उपाध्यक्ष व महेश पांडेय महासचिव चुने गए। अवधेश श्रीवास्तव व सुनील उप्रेती संयुक्त सचिव बने। कोषाध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव, महिला सचिव रमा अग्रवाल, प्रचार सचिव शिशिर जिंदल व लेखा परीक्षक प्रदीप वार्ष्णेय बनाए गए।

# राजस्थान सरकार को भाजपा के लोग ही बता रहे 'सर्कस': गहलोत

## » सीएम भजनलाल पर भड़के पूर्व सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार को उनकी ही पार्टी के लोग 'सर्कस' बता रहे हैं। गहलोत ने कहा कि मैनें यह नहीं कहा कि मैं इनको नीचा दिखाने के लिये बोल रहा हूं कि सर्कस है, सर्कस मैं नहीं बोल रहा हूं... इनकी पार्टी के लोग बोल रहे हैं, और सर्कस की तरह ही काम चल रहा है।**

कोई मंत्री इस्तीफा दे रहा है, कोई मंत्री इस्तीफा देने के बाद मंत्रिमंडल की बैठक में जा रहा है। विधायक धमकी दे रहे हैं और बाकी आप जानते हो राजस्थान के अंदर क्या स्थिति बन गई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा बार-बार हवा में बातें करते हैं, यमुना का पानी लेकर आयेंगे। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को नया नाम दे दिया। इनसे कुछ भी नहीं होने वाला है। गहलोत ने जोधपुर में कहा था कि राज्य में सरकार नहीं बल्कि 'सर्कस' चल रहा है।

# हार मिलते ही कांग्रेस को सहयोगियों ने घेरा

## राउत बोले- राजनीतिक गुटों के बीच एकता और विनम्रता के महत्व पर जोर हो, आप- टीएमसी व सपा ने भी दी नसीहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद से इंडिया गठबंधन में एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। यूबीटी शिवसेना, टीएमसी, आप, सपा से लेकर लगभग सभी सहयोगी कांग्रेस को नसीहत देने में जुट गए हैं। इसी क्रम में महाराष्ट्र में उसके गठबंधन सहयोगी शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) ने अकेले चुनाव लड़ने के कांग्रेस के फैसले पर असंतोष जताया है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने हालिया चुनावी नतीजों पर अपने विचार साझा किए और कांग्रेस की हार से सीखे जा सकने वाले सबक पर जोर दिया।

राउत ने जोर देकर कहा कि हरियाणा के नतीजों का आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने राजनीतिक गुटों के बीच एकता और विनम्रता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि किसी को भी खुद को किसी और का बड़ा भाई नहीं समझना चाहिए। राउत ने हरियाणा में भारतीय गठबंधन की विफलता को भी संबोधित किया और सुझाव दिया कि संयुक्त मोर्चा चुनाव परिणाम बदल सकता था। उन्होंने यह विश्वास करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की कि वह अकेले जीत हासिल कर सकती है, उन्होंने कहा कि सत्ता साझा करने की उनकी अनिच्छा अंतत: उनके पतन का कारण बनी। अगर भारत गठबंधन बना होता, तो हमें अलग परिणाम देखने को मिलते।

### भाजपा ने हारी हुई लड़ाई जीती

संजय राउत ने कहा कि दोनों राज्यों (हरियाणा और जम्मू कश्मीर) की अपनी अहमियत है, लेकिन जम्मू कश्मीर भाजपा के लिए ज्यादा अहम था। वे उस जगह से हार गए, जहां उन्होंने अनुच्छेद 370 हटाया था। विपक्षी गठबंधन हरियाणा में नहीं जीत पाया क्योंकि कांग्रेस को लगा कि वह अपने दम पर जीत सकते हैं और उन्हें सत्ता में किसी सहयोगी की जरूरत नहीं है। कांग्रेस नेता हुड्डा जी को लगा कि वे जीत जाएंगे। अगर उन्होंने समाजवादी पार्टी, आप या अन्य छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन किया होता तो नतीजा कुछ और होता। भाजपा ने जिस तह से चुनाव लड़ा, वह काबिले तारीफ है। भाजपा ने हारी हुई लड़ाई जीती है।

### क्षेत्रीय दलों को नीची निगाह से देखना आपदा का कारण : साकेत

हरियाणा में हार के बाद विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस की सहयोगी टीएमसी ने कांग्रेस की आलोचना की है। टीएमसी सांसद साकेत गोखले ने कांग्रेस का नाम लिए बिना आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि यह स्वैया चुनाव में हार का कारण बना कि अगर हमें लगता है कि हम जीत रहे हैं तो हम किसी क्षेत्रीय पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेंगे, लेकिन जिन राज्यों में हम पिछड़ रहे हैं, वहां क्षेत्रीय पार्टियों को हमें जगह देनी चाहिए। गोखले ने लिखा कि अहंकार और क्षेत्रीय दलों को नीची निगाह से देखना आपदा का कारण बनता है। टीएमसी सांसद की इस टिप्पणी को सीधे तौर पर कांग्रेस के साथ जोड़कर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस की सहयोगी आम आदमी पार्टी और सीपीआई भी कांग्रेस के हरियाणा में अकेले चुनाव लड़ने की रणनीति की आलोचना कर चुके हैं।

### अति आत्मविश्वासी नहीं होना चाहिए : केजरीवाल

हरियाणा में कांग्रेस के साथ गठबंधन करने की इच्छुक आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हाल के चुनावों से सबसे बड़ी सीख यह मिली है कि किसी को अति आत्मविश्वासी नहीं होना चाहिए। भाकपा महासचिव डी राजा ने भी कहा कि कांग्रेस को हरियाणा के चुनाव परिणामों पर आत्मचिंतन करने की जरूरत है और उसे महाराष्ट्र तथा झारखंड में आगामी चुनावों में सभी भारतीय ब्लॉक सहयोगियों को साथ लेकर चलना चाहिए।

# पूर्व आईएएस अधिकारियों पर ईडी का शिकंजा

### » यूपी स्मारक घोटाले में पूछताछ के लिए तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2007 से 2012 की बीएसपी सरकार में हुए कथित स्मारक घोटाले को लेकर ईडी ने पूर्व आईएएस ऑफिसर मोहिंदर सिंह और रामबोध मौर्य को पूछताछ के लिए तलब किया है। ईडी ने 14 अरब रुपये के स्मारक घोटाले के लिए इन दोनों के अलावा उत्तर प्रदेश राज्य की निर्माण निगम के पूर्व प्रबंध निदेशक सीपी सिंह को पूछताछ के लिए बुलाया है।

इसी क्रम में प्रवर्तन निदेशालय ने इन स्मारकों के लिए पत्थरों की आपूर्ति करने वाले मार्बल कारोबारी को भी पूछताछ के लिए बुलाया है। ईडी ने मार्बल कारोबारी आदित्य अग्रवाल को 15 अक्टूबर को पूछताछ के लिए बुलाया है, जबकि अगले दिन यानी 16 अक्टूबर को पूर्व आईएएस ऑफिसर मोहिंदर सिंह को पूछताछ के लिए बुलाया है। ईडी ने सीपी सिंह को 17 अक्टूबर को पूछताछ के लिए बुलाया है और रामबोध मौर्य को 18 अक्टूबर को पूछताछ के लिए बुलाया है। इस प्रकरण में ईडी अब घोटाले के आरोपियों में शामिल पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी और बाबू सिंह कुशवाहा पर भी शिकंजा कस सकती है। साल 2007 से 2012 में स्मारकों के निर्माण के दौरान मोहिंदर सिंह प्रमुख सचिव आवास के पद पर तैनात थे। सीपी सिंह निर्माण निगम के एमडी थे और रामबोध मौर्य भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के निदेशक थे। इसमें मोहिंदर सिंह की अध्यक्षता में स्मारकों के पत्थरों के दाम तय करने वाली समिति बनी थी।

# 'चुनाव परिणाम से कांग्रेस ही नहीं, भाजपा भी अचंभित'

## भूपेंद्र सिंह हुड्डा बोले- सरकारी तंत्र की भूमिका की जांच होनी चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक। हरियाणा के रोहतक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि विधानसभा चुनाव परिणाम से कांग्रेस ही नहीं, भाजपा भी अचंभित है। प्रदेश के अंदर जो माहौल था, उसके विपरित परिणाम आए हैं। केंद्रीय कांग्रेस कमेटी चुनाव आयोग से मिलकर अपनी बात रखेगी।

भूपेंद्र हुड्डा ने कहा, मीडिया ही नहीं, एक्सपर्ट को भी उम्मीद थी कि कांग्रेस की बहुमत से सरकार बनेगी। वे भी पूरे प्रदेश में चुनाव प्रचार में गए। कांग्रेस के पक्ष में माहौल था, लेकिन लोकतंत्र में वे परिणाम को स्वीकार करते हैं। फिर भी सरकारी तंत्र की भूमिका की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कई जगह ईवीएम की बैटरी लो होने तो कई जगह से चुनाव परिणाम देरी से अपलोड करने की शिकायत आई हैं।

### प्रदेश के युवा, गरीब, किसान व महिलाओं की है यह जीतः सैनी

हरियाणा के कुरुक्षेत्र में युवा, गरीब, महिला व किसान वर्ग की बदौलत ही प्रदेश में फिर से भाजपा सरकार आई है। ऐसे में यह जीत भी इन वर्गों की ही है, जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व डबल इंजन सरकार की नीतियों में भरोसा जताते हुए कमल खिलाया है। यह कहना है हॉट सीट लाडवा से विजयी रहे एवं कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी का। वे लाडवा विधानसभा क्षेत्र में हुई अपनी जीत की घोषणा के बाद प्रमाण पत्र लेकर श्री कृष्ण स्थली ज्योतिसर तीर्थ पर पहुंचे थे, जहां उन्होंने पत्नी सुमन सैनी के साथ पूजा अर्चना भी की।

### जिम्मेदारी तो तय करनी ही होगी : सैलजा

सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने प्रदेश नेतृत्व पर निशाना साधा है। सैलजा ने कहा है कि प्रदेश नेतृत्व की जिम्मेदारी पर चर्चा करनी होगी। कहां पर किसकी कमी रही, यह हाईकमान देखेगा। अपनी कमियों के बारे में सोचना होगा। कुमारी सैलजा ने कहा कि हमें 60 से अधिक सीटें जीतने की उम्मीद थी, लेकिन परिणाम इसके उलट आए हैं। हम सभी को मंथन की जरूरत है।

# दिन पर दिन खुल रही स्मार्ट सिटी की पोल!

## नहीं थम रहा राजधानी लखनऊ के मार्गों पर गड्ढे होने का सिलसिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ स्मार्ट सिटी परियोजना के बावजूद शहर की सड़कों और बुनियादी सुविधाओं में कई समस्याएं हैं। जैसे कि सीवर लीकेज और घटिया गुणवत्ता वाले निर्माण कार्य के कारण लखनऊ की जनता सुरक्षा और सुविधा के लिए चिंता का विषय है । पिछले कई वर्षो में सकरी गलियां के साथ साथ विकास नगर, लखनऊ विश्वविद्यालय जैसे मुख्य मार्गों पर लखनऊ की जनता ने गड्ढे देखे है ये ऐसे गड्ढे मुख्य मार्गों पर हुए थे जिससे जनता के चपेट में आने से जान से हाथ भी धोना पड़ सकता था।

स्थानीय निवासी कादिर

ताजा मामला गोला गंज के अन्तर्गत गुलाब हाल के पास का है। जहा जनता का आवागमन निरंतर बना हुआ है पर वहां बड़ा गड्ढा हो गया है। लेकिन स्थानीय निवासी कादिर द्वारा जानकारी दी गई है कि बीते वर्ष ही नगर निगम द्वारा ही रोड का निर्माण किया है। नई बनाई गई रोड पर इतना गहरा गड्ढा होना भ्रष्टाचार को दर्शाता है।

### विभागों द्वारा एक दूसरे पर लगाये जाते हैं आरोप

विभागों द्वारा एक दूसरे के ऊपर आरोप लगाने का सिलसिला जारी रहता है। गड्ढे की जानकारी प्रभारी नगर अभियंता किशोरी लाल को दी गई। जिस पर अभियंत्रण विभाग द्वारा मलबा डलवाने का कार्य किया गया। उसके बाद जब कोई शिकायत की जाती है जो विभाग दूसरे विभाग की बात कहकर पल्ला झाड़ लेता है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।